ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -2

पंच परमेश्वर

PPT-3

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

मौसी ने गाँव के लोगों को अपनी दर्दभरी कहानी सुनाई। जुम्मन जानते थे कि गाँव के सभी लोग उनके पक्ष में हैं, उनके विरुद्ध कोई नहीं बोलेगा।

संध्या के समय पेड़ के नीचे पंचायत बैठी। अलगू चौधरी सरपंच बनकर बैठे। उनके आस-पास और पंच बैठ गए। जुम्मन को खुशी हुई कि अलगू चौधरी उसके पक्ष में ही निर्णय देगा लेकिन मौसी की दर्दभरी कहानी सुनकर पंचों और अलगू ने मौसी के पक्ष में निर्णय लिया। अलगू चौधरी ने फ़ैसला सुनाते हुए कहा, "मौसी को माहवार खर्च दिया जाए क्योंकि मौसी की जायदाद से इतना मुनाफ़ा तो अवश्य होता होगा।" पंचायत का निर्णय सुन गाँव के सभी लोगों ने कहा, "इसका ही नाम पंचायत है। दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया।" पंचायत ने न्याय को महत्व दिया। मित्रता-शत्रुता का भेद नहीं किया। सच है 'पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है।'

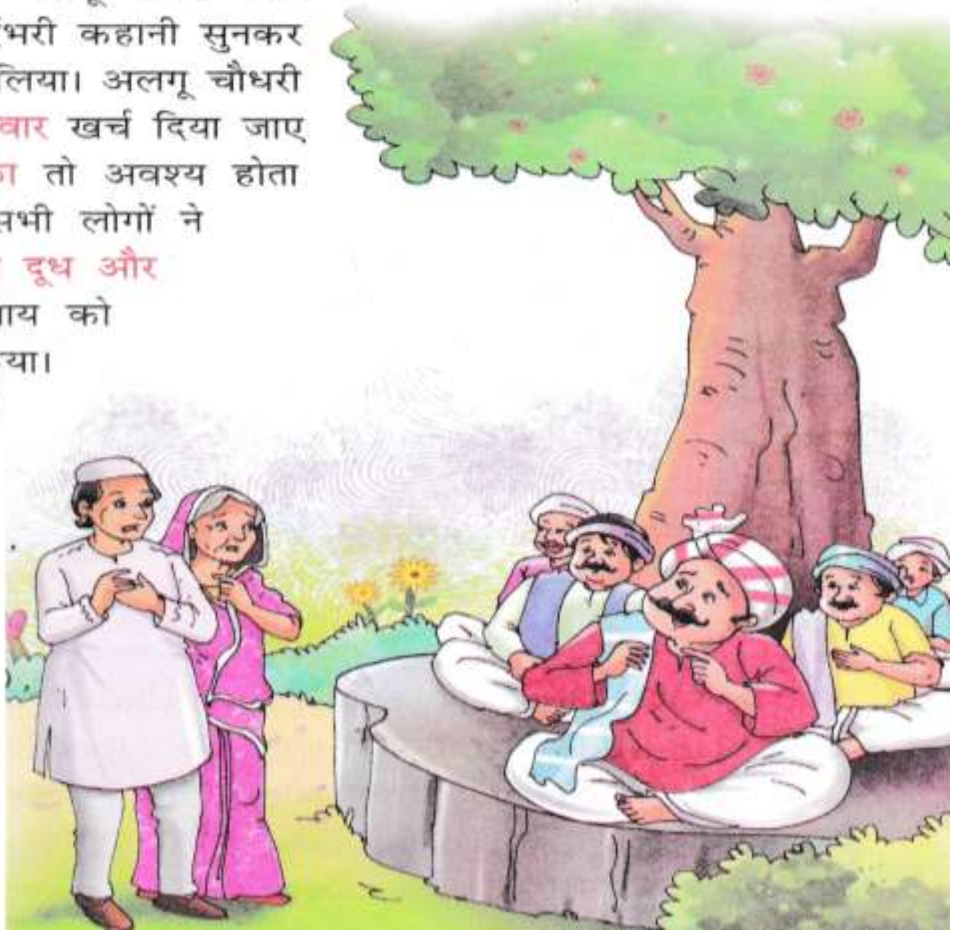

उस घटना के बाद जुम्मन शेख अलगू चौधरी को अपना शत्रु मानने लगा। उसके मन में बदले की भावना भर गई। वह उससे बदला लेने का अवसर ढूँढ़ने लगा।

अलगू चौधरी ने बैल की एक जोड़ी मोल ली थी। बैल बड़े सुंदर और स्वस्थ थे। पंचायत के एक माह बाद उनमें से एक बैल मर गया। अलगू चौधरी ने दूसरे बैल को समझू साहू को बेच दिया। समझू साहू उसी गाँव का था। वह एक बैलवाली गाड़ी चलाता था। एक महीने के बाद दाम देने की बात तय हुई।

शब्दार्थ -

दर्दभरी – दुख भरी

विरूद्ध – विपक्ष

पंचायत – न्याय देने वाले पंच

माहवार – मासिक आमदनी

जायदाद – संपती

मुनाफा – फायदा

मोल ली – खरीद लेना

तय – निश्चय

दुध का दुध – और पानी का पानी कर दिया उचित न्याय देना

अर्थबोध – पस्तुत अंश में पंच की महानता तथा पंच के न्याय करने का प्रक्रिया का वर्णन किया गया है मौसी गाँव के लोगों को अपनी दर्दभरी कहानी सनाई और पंचायत बैठई ।

संध्या के समय पेड़ के नीचे पंचायत बैठी ।

जुम्मन का मित्र अलगू चौधरी सरपंच बनकर बैठे ।

पंच मौसी की दर्दभरी कहानी सुनकर मौसी के पस में निर्णय लिया ।

अलगू अपना फैसला सुनाते हुए कहो कि मौसी को माहावार खर्च दिया जाए ।

पंचायत का निर्णय सुन गाँव वाले पेंच का प्रशंसा करते हुए कहा पंच न्याय का साथ दिया ।

पंचायत के पास मित्रता-शत्रुता का भेद भाव नहीं होता है । इसलिए कहा जाता है । पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है ।

जुम्मन और अलगू के बिच की मित्रता शत्रुता में परिवर्तन हो जाता है ।

अलगू चौधरी समझू साह को एक जोड़ी बैल बेचा था ।

बैल का पैसा एक महिने बाद देना तय हुआ था ।

इस बात को लेकर दोनो में कहासुनी होता है ।

गृहकार्य:

पढाया गया पाठ को पढो ।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP